ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यसन इस निवाद को न्यायनिर्गय हेनू चिदिन्द करना विशेष्ठनीय समझते हैं;

इसलिये, अब, श्रौद्योगिक विवाद अधितियम, 1947, की बारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिवतयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त श्रीद्यित्यम की धारा 7-क के श्रधीन गठित श्रीद्योगिक श्रीद्यंकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे वितिर्दिष्ट मानने जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवाद- ग्रस्त मामला/मामले हैं, श्रथवा विवाद से सुसंगत या संबंधित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं :---

क्या श्री विनोद कुमार की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हिकदार है ?

तं० ग्रो० वि०/गृड़गांव/153-87/43110 — चूंकि हरियाणा के राज्याल को राये है कि मैं० कैंग फार्म प्रा० लि०, गृहगांव के श्रमिक श्री ग्रब्दुल मनान मार्फत श्री भीम सिंह यादब, ै1-सी/46-ए, एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद, तथा प्रबन्धकों के मध्य इसमें इसके बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीधोगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिये, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रिधिनियम, 1947 की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इसके द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7-क के ग्रिधीन गठित ग्रीद्योगिक ग्रिधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं ग्रथवा विवाद से सुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेत निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री ग्रब्दुल मनान की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का

सं० ग्रो॰ वि॰/गुड़गांव/226-87/43116. चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मैं० कग फार्म प्रा॰ लि॰, गुड़गांव के श्रमिक श्री राम इकवाल मार्फत श्री भीम सिंह यादव 1-सी/46-ए, एन॰ ग्राई॰ टी॰, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रीद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं ;

इसलिए, ग्रब, ग्रौद्योगिक विवाद ग्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शिक्तयों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उक्त ग्रिधिनियम की धारा 7-क के ग्रधीन गठित श्रौद्योगिक प्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिर्दिष्ट मामले जो कि उक्त प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादग्रस्त मामला/मामले हैं ग्रथवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले हैं न्यायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हेतु निर्दिष्ट करते हैं:—

क्या श्री राम इकबाल की सेवाओं का समापत न्यायोजित तथा ठीक है ? ृ्यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

सं० ग्रो० वि०/गुड़गांव/227-87/43123.—चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राये है कि मै० कैंग फार्म प्रा० लि०, गुड़गांव के श्रमिक श्री ग्रजय कुमार, मार्फत श्री भीम सिंह यादव, 1-शी/46-v, एन० ग्राई० टी०, फरीदाबाद तथा प्रबन्धकों के मध्य इस में इस के बाद लिखित मामले के सम्बन्ध में कोई ग्रौद्योगिक विवाद है;

ग्रीर चूंकि हरियाणा के राज्यपाल इस विवाद को न्यायनिर्णय हेतु निर्दिष्ट करना वांछनीय समझते हैं;

इसलिए, अब, भौद्योगिक विवाद श्रधिनियम, 1947, की धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदान की गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए हरियाणा के राज्यपाल इस के द्वारा उथत श्रधिनियम की धारा 7-क के अधीन गठित भौद्योगिक श्रधिकरण, हरियाणा, फरीदाबाद, को नीचे विनिदिष्ट मामलें जो कि उयत प्रबन्धकों तथा श्रमिकों के बीच या तो विवादशस्त मामला/मामलें है अथवा विवाद से मुसंगत या सम्बन्धित मामला/मामले है स्थायनिर्णय एवं पंचाट 3 मास में देने हैत निदिष्ट करते हैं:—

क्या श्री ग्रजय कुमार की सेवाग्रों का समापन न्यायोचित तथा ठीक है ? यदि नहीं, तो वह किस राहत का हकदार है ?

स्रार० एस० स्रग्नवाल, उप-सचिव, हरियाणा सरकार, श्रम विभाग।